भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.03.2020 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2244 का उत्तर

हाई स्पीड कॉरिडोर

2244. श्री खलीलुर रहमानः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हावड़ा-दिल्ली तथा गुवाहाटी-सियालदह सहित प्रमुख रेल मार्गों पर रेलगाड़ियों के यात्रा समय को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) क्या सरकार ने हाई स्पीड कॉरिडोर के लिए मुम्बई-दिल्ली मार्ग के लिए निधियों का आबंटन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार देश भर में नए हाई स्पीड कॉरिडोर विकसित करने का है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) भारतीय रेल द्वारा यात्री गाड़ियों और माल गाड़ियों, दोनों की गति में सुधार करने के उपाय किए जा रहे हैं। भारतीय रेल में गाड़ियों की औसत गति में सुधार करना एक सतत प्रक्रिया है। इसके अलावा, सरकार ने अगस्त 2019 में मौजूदा नई दिल्ली-मुंबई (वड़ोदरा-अहमदाबाद सहित) तथा नई दिल्ली-हावड़ा (कानपुर-लखनऊ सहित) मार्गों पर गाड़ियों की गति को 160 कि.मी.प्र.घंटे तक बढ़ाने के लिए दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। इसके अलावा, रेलवे ने विभिन्न जोनों में बड़ी संख्या में क्षमता संवर्धन कार्यों को स्वीकृत किया है, जिन्हें यातायात के लिए खोले जाने पर, गुवाहाटी-सियालदह सहित विभिन्न मार्गों पर गाडियों की गति में वृद्धि और यात्रा समय में कटौती होगी।

(ख) से (घ) : जी नहीं। इस समय, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एचएसआर) कॉरिडोर ही एकमात्र एचएसआर परियोजना है जो स्वीकृत है और जिसे जापान सरकार के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से निष्पादित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, रेल मंत्रालय ने

निम्नलिखित 06 एचएसआर गलियारों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के कार्य को शुरू करने का निर्णय लिया है:-

(i) दिल्ली-नोएडा-आगरा-कानपुर-लखनऊ-वाराणसी (865 कि.मी.)
(ii) दिल्ली-जयपुर-उदयपुर-अहमदाबाद (886 कि.मी.)
(iii) मुंबई-नासिक-नागपुर (753 कि.मी.)
(iv) मुंबई-पुणे-हैदराबाद (711 कि.मी.)
(v) चेन्नै-बेंगलूरू-मैसूर (435 कि.मी.)
(vi) दिल्ली-चण्डीगढ़-लुधियाना-जालंधर-अमृतसर (459 कि.मी.)

राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटिड (एनएचएसआरसीएल) को डी.पी.आर तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।

*****